पाठ 19. संवदिया

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में निर्णय-क्षमता संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे महत्वपूर्ण मुद्दों को समझकर उनसे रचनात्मक रूप से निपटने में सक्षम हो सकें। फणीश्वरनाथ रेणु द्वारा लिखित इस कहानी में संवदिया की मनोदशा तथा ज़िम्मेदारियों का बखूबी वर्णन किया गया है। साथ ही, गरीब तथा साधनहीन होने के बाद भी मध्यवर्गीय लोग अपने आत्मसम्मान को ठेस नहीं लगने देते, इसका बड़ा ही मार्मिक चित्रण इस पाठ में किया गया है।

पाठ का सार

बड़ी हवेली की बड़ी बहुरिया बहुत दुखी है। वह हरगोबिन संवदिया से अपनी दशा का वर्णन करते हुए कहती है कि यह खबर वह मायके वालों तक पहुँचा दे। हरगोबिन बहुरिया से राह-खर्च लिए बिना ही चल पड़ता है परंतु बड़ी बहुरिया के घर पहुँचते-पहुँचते हरगोबिन का मन बदल जाता है। वह सोचता है कि बड़ी बहुरिया के चले जाने के बाद गाँव सूना हो जाएगा। हरगोबिन बड़ी बहुरिया के घर पहुँचा लेकिन वहाँ उसने संवाद सही-सही नहीं सुनाया। बड़ी बहुरिया की माँ ने बहुरिया के लिए चूड़ा भेजा था। लौटते वक्त रास्ते में हरगोबिन को भूख लगी किंतु उसने चूड़े को हाथ न लगाया। वापस अपने गाँव में बड़ी बहुरिया के पास पहुँचते-पहुँचते वह बेहोश होकर गिर पड़ा। बड़ी बहुरिया ने हरगोबिन को दूध पिलाया, होश में आने पर हरगोबिन ने उससे माफ़ी माँगी। बड़ी बहुरिया भी संवाद भेजने के बाद से ही पछता रही थी।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  इस कहानी को पढ़ाने के पहले ग्रामीण पृष्ठभूमि की चर्चा करें। पहले के ज़माने में घर में स्त्रियों के हालात और आजकल के ज़माने में स्त्रियों के हालात के बारे में राय जानें। इसके बाद कहानी को अंशों में बाँटकर भाव-भंगिमा सहित वाचन करें/करवाएँ। मार्मिक प्रसंगों पर थोड़ा ठहराव लाते हुए प्रश्नोत्तर किए जा सकते हैं। कहानी के अंत के बारे में बच्चों की राय जानें। बच्चों से यह जानने की चेष्टा करें कि कहानी का अंत सुखांत है या दुखांत।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 79** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - वाक्य के भेदों–**साधारण, निषेधात्मक** व **प्रश्नसूचक** की परिभाषा बताएँ। काल के भेदों व उपभेदों की परिभाषा व पहचान के बारे में चर्चा करें।
  - विशेषण की परिभाषा व पहचान बताएँ। विशेषण के भेदों के बारे में बताएँ। इसके लिए कुछ उदाहरण दिए जा सकते हैं।
  - पदबंध, संज्ञा पदबंध, विशेषण पदबंध व क्रियाविशेषण पदबंध की पहचान का तरीका बताएँ।
  - वाक्य-निर्माण में लिंग, वचन व शाब्दिक अशुद्धियाँ होने पर शुद्धि कार्य करवाएँ।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - संवाद भेजने के तरीकों के बारे में चर्चा करें जैसे–फ़ोन, मोबाइल, ई-मेल, फ़ैक्स, आदि। इन तरीकों की उपयोगिता भी पूछें।
  - बेटी-बेटे में भेदभाव आजकल कम होता जा रहा है। इसके बारे में बातचीत करें।